जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

29 अप्रैल, 2021

प्रेस विज्ञप्ति

माइक्रोफाइनेंस एवं महिला सशक्तिकरण पर वेबिनार

वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली, ने 27 अप्रैल, 2021 को 'माइक्रोफाइनेंस एंड वीमेन एम्पावरमेंट' पर एक वेबिनार का आयोजन किया। छात्रों को कॉन्सेप्ट और माइक्रोफाइनेंस के विभिन्न मुद्दों को समझने के लिए वेबिनार का आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों, शोधार्थियों और संकाय सदस्यों सहित लगभग 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वाणिज्य एवं व्यवसाय अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर एनयूके शेरवानी ने वक्ताओं; प्रो. रईस अहमद, कृषि अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रबंधन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा डॉ. वरद सगीर का स्वागत किया| अपने स्वागत भाषण में प्रोफेसर एनयूके शेरवानी ने माइक्रोफाइनेंस के महत्व और महिला सशक्तीकरण में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि किस तरह माइक्रोफाइनेंस बैंकों और अन्य स्रोतों से संसाधन जुटाकर देश में माइक्रोफाइनेंस क्षेत्र में वित्तीय सेवाओं का विस्तार करने के लिए एक पाइपलाइन के रूप में कार्य करता है।

प्रो. रईस अहमद ने माइक्रोफाइनेंस के विकास की व्याख्या की और चर्चा की कि माइक्रोफाइनेंस एकीकृत सशक्तिकरण और गरीबी उन्मूलन हस्तक्षेप का एक बहुत ही उपयोगी हिस्सा हो सकता है। उन्होंने आगे बताया कि कैसे सूक्ष्म-वित्त संस्थान छोटे संयुक्त देयता समूहों के माध्यम से महिला उद्यमियों को जोड़ते हैं। समूह के प्रत्येक सदस्य को किसी भी अतिरिक्त या बोझिल दस्तावेज़ प्रक्रिया के बिना ऋण की एक निश्चित राशि प्राप्त होती है, जिसका उपयोग आय के उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि महिलाएं बेहतर चुकौती क्षमता के साथ अधिक आर्थिक रूप से जिम्मेदार साबित होती हैं। एसएचजी की संख्या में वृद्धि और उनकी ऋण वितरण दर भारत में महिलाओं के बढ़ते सशक्तिकरण की तरफ इशारा करती है।

विभाग के एक पूर्व छात्र डॉ. वरद सगीर , ने महिला सशक्तिकरण में माइक्रोफाइनेंस की भूमिका को समझाने के लिए अनुसंधान आधारित साक्ष्यों पर चर्चा की और उन्होंने भारत में माइक्रोफाइनेंस की स्थिति का अवलोकन प्रस्तुत किया।

वेबिनार के बाद प्रश्नोत्तर सत्र हुआ जहां कई छात्रों और शोधार्थियों ने कुछ विचारशील प्रश्न उठाए, जिनके विशेषज्ञ द्वारा उत्तर दिए गए। वेबिनार, प्रो. नसीब अहमद द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुआ , जिसमें उन्होंने कुलपति, प्रो. नजमा अख्तर और विभागाध्यक्ष प्रो. एनयूके शेरवानी का धन्यवाद किया , जिन्होंने इस तरह के वेबिनार / आयोजनों को निरंतर प्रोत्साहित किया है। उन्होंने विचारशील सत्रों के लिए रिसोर्स पर्सन प्रो. रईस अहमद एवं डॉ. वरद सगीर को धन्यवाद दिया और और संकाय सदस्यों, अतिथि संकायों, शोधार्थियों एवं छात्रों को वेबिनार में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया